रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अकबरपुर अम्बेडकरनगर

प्रगति आख्या २०१८-१९

उच्च शिक्षा के प्रसार एवं संकल्प में महिलाओं की सम्पूर्ति को दृष्टि में रखते हुए रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना 1997 में हुई। महाविद्यालय में प्राचार्य एवं प्रवक्तागणों के कुल 28 पद तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कुल 19 पद है। वर्तमान में विज्ञान संकाय, वाणिज्य संकाय तथा कला संकाय में स्नातक के साथ ही परास्नातक के पाँच विषय यथा हिन्दी, समाजशास्त्र, गृहविज्ञान, राजनीति विज्ञान एवं मध्य कालीन इतिहास का अध्ययन अध्यापन किया जा रहा है।

नैक मूल्यांकन का द्वितीय चरण पूरा हो चुका है, मूल्यांकनोपरान्त महाविद्यालय को औसत ग्रेड बिन्दु सी0जी0पी0ए0 (2.22) के साथ 'बी' ग्रेड प्रदत्त किया गया है जो महाविद्यालय के अकादमिक वातावरण आधारभूत संरचना एवं प्रशासनिक रूप रेखा की आधारशिला को प्रतिष्ठित करता है।

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने के उद्देश्य से छात्राओं का प्रवेश पूर्णतया मेरिट के आधार पर पारदर्शिता के साथ किया जाता है। उत्कृष्ट परीक्षाफल महाविद्यालय की विशेषता रही है। परीक्षा की सुचिता एवं नकलविहीन परीक्षा के प्रति दृढ संकल्प महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापक अपने विषय से सम्बन्धित पाठयक्रम एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों का संचालन निष्ठा पूर्वक प्राचार्य महोदया के निर्देशन में सम्पन्न कर रहे हैं। हमें यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि महाविद्यालय की कई छात्राओं ने विषयवार शिक्षक चयन की महत्वपूर्ण परीक्षा जे0आर0एफ/नेट एवं सेवाचयन की अन्य परीक्षाओं को भी सफलता पूर्वक उत्तीर्ण किया है और महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है हम इनके उज्जवल भविष्य के लिए

शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं। छात्रों के निरन्तर उत्साहवर्धन के लिए यह महाविद्यालय प्रतिवर्ष मेधावी छात्राओं को संकायवार परास्नातक विषयवार पुरस्कृत भी करता हैं।

इस वर्ष महाविद्यालय के इग्नू अध्ययन केन्द्र में स्नातक तथा स्नातकोत्तर के अतिरिक्त कई रोजगार परक कार्यक्रम चलाये जा रहे है। इग्नू अध्ययन केन्द्र के समन्वयक श्री रवीन्द्र कुमार वर्मा के सफल प्रयासों से छात्र छात्राओं की संख्या में निरन्तर बढ़ोत्तरी हो रही है, यह अध्ययन केन्द्र विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं के अतिरिक्त आस–पास के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को भी अपनी ओर आकृष्ट करने में उल्लेखनीय रूप से सफल रहा है।

यह सत्र शैक्षणिक उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है और अभूतपूर्व प्रगति देखने को मिली। महाविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों में विद्वान प्राध्यापको द्वारा अंतराष्ट्रीय सेमिनार एवं सम्मेलनों में प्रतिभाग करना एवं अंतराष्ट्रीय जर्नल्स में शोध पत्र का प्रकाशन हमें हर पल गौरवान्वित करता है। डॉ0 अखिलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा 18–20 अगस्त, 2018 को मॉरीशस में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन में प्रतिभाग एवं शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही *'अस्मिता मूलक साहित्य एवं आन्दोलन'* अन्तर्राष्ट्रीय शोध पुस्तक का सम्पादन अकादमिक चिन्तन के नये प्रतिमान सिद्ध होगी। डॉ0 आनन्द कुमार का पी0एच–डी हेतु डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या में नामांकन, मैथमैटिकल सोसाइटी B.H.U. की सदस्यता के साथ इनकी सात पाठ्य पुस्तकें गणित के विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं के लिए मील का पत्थर है। प्रो0 संजीव अरोड़ा द्वारा सम्पादित पुस्तक *'Environmental Issues and Challenges'*, प्रो0 रवीन्द्र वर्मा द्वारा सम्पादित पुस्तक *'भारत में पर्यावरणीय मुददे एवं चुनौतियाँ'*, डॉ0 मनोज गुप्ता एवं डॉ0 नन्दन सिंह द्वारा सम्पादित पुस्तक *'उच्च शिक्षा में अध्ययन, अध्यापन एवं मूल्यांकन'* डॉ0 अजीत प्रताप सिंह की पुस्तक *'डॉ0 लोहिया और नारी मुक्ति'* तथा डॉ0

विजयलक्ष्मी यादव द्वारा सम्पादित राष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका *'जनवाणी'* प्रकाशनाधीन है।

हमारे लिए यह सुखद अहसास है कि यहाँ प्राध्यापक हर पल बौद्विक एवं शैक्षिक गुणवत्ता के विकास के लिए तत्पर एवं संलग्न है। यह भी उल्लेखनीय है कि इसी सत्र में डॉ0 महेन्द्र प्रकाश, डॉ0 नन्दन सिंह, डॉ0 विजय प्रकाश सिंह को अवध वि0वि0 फैज़ाबाद द्वारा शोध पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है तथा डॉ0 महेन्द्र यादव, डॉ0 सीमा यादव एवं डॉ0 अजीत प्रताप सिंह की शोध पर्यवेक्षक नियुक्ति प्रकियाधीन है। डॉ0 महेन्द्र प्रकाश को सोशल रिसर्च फाउण्डेशन कानपुर का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह प्राध्यापक अपने शैक्षणिक ज्ञान एवं अनुभवों से विद्यार्थियों की शोध जिज्ञासाओं को नई उँचाइयाँ प्रदान करेंगे। यहाँ यह भी बताना उचित होगा कि इन उपलब्धियों के पीछे महाविद्यालय के प्राचार्य महोदया द्वारा दिया गया प्रोत्साहन सराहनीय है।

महाविद्यालय में शिक्षणेत्तर गतिविधियों के अर्न्तगत छात्राओं के खेलकूद की भी व्यवस्था है शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ0 राजेश कुमार के संयोजन में महाविद्यालय ने खेल के क्षेत्र में नये प्रतिमान स्थापित किये हैं। इस सत्र में शारीरिक शिक्षा को विश्वविद्यालय द्वारा एक विषय के रूप में मान्यता दी गयी। अब छात्राएं शारीरिक शिक्षा का चयन एक विषय के रूप में कर सकेंगी। अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन अक्टूबर, 2018 में कराया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रतिभागिता विश्वविद्यालय स्तर पर की गयी इसके साथ ही 07–08 फरवरी, 2019 को वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

सेवा भावना, सदभावना, बन्धुत्व एवं सहअस्तित्व की भावना के उत्तरोत्तर विकास तथा समाज में चेतना जागृत करने के उद्देश्य से महा0 में डॉ0 राजेश कुमार यादव तथा डॉ0 सीमा यादव कार्यक्रम अधिकारी–द्वय के दिशा निर्देशन में

राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाईयाँ कार्यरत हैं। इस वर्ष ग्राम ताजनपुर एवं अफजलपुर में सप्त दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 29 जनवरी, 2019 से 04 फरवरी, 2019 तक चला शिविरार्थी छात्राओं ने इस दौरान जनजागरण, साक्षरता, मतदाता जागरूकता आदि का कार्य किया साथ ही विभिन्न विषयों यथा पर्यावरण जागरूकता, महिला सुरक्षा, जनसंख्या नियंत्रण, स्वास्थ्य परिचर्चा, योग प्रशिक्षण एवं मतदाता जागरूकता आदि पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ0 मनोज गुप्ता सहायक प्रोफेसर समाजशास्त्र का चयन मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता के अन्तर्गत शासन द्वारा स्वीप को–आर्डीनेटर के रूप में किया गया है, जिसको चरितार्थ करते हुए उन्होने मतदाता जागरूकता दिवस 25 जनवरी को जनपद के अनेक महाविद्यालयों को समन्वित कर मतदाता जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रमों यथा मतदाता जागरूकता यात्रा, कार्यशाला, मानचित्र निर्माण, मानव श्रृंखला एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं आदि का सफल आयोजन कराया।

इस वर्ष महाविद्यालय में रेन्जर्स की गतिविधियाँ भी उल्लेखनीय रही हैं प्रो0 चन्द्रभान प्रभारी, रेंजर्स एवं प्रो0 वालेन्तिना प्रिया, प्रभारी रेंजर्स द्वितीय के संयोजन में 11–13 फरवरी, 2019 तक रेन्जर्स प्रवेश प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर के पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण समिति का गठन किया गया है, जिसका उत्तर दायित्व डॉ विजय प्रकाश सिंह को सौपा गया है।

महाविद्यालय में छात्राओं के बहुमुखी विकास के लिए स्थापित विभिन्न परिषदों के अन्तर्गत् निबन्ध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, समान्य ज्ञान प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, हस्तकला प्रर्दशनी, मेहदी प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वर्तमान में महाविद्यालय में पोषण सप्ताह, हिन्दी दिवस एवं स्वच्छता अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन

प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराने के पीछे हमारा उद्देश्य छात्राओं का बौद्धिक विकास एवं संवर्धन रहा है।

महाविद्यालय में वाचनालय, केन्द्रीय पुस्तकालय, स्नातकोत्तर शोध पुस्तकालय आदि की भी व्यवस्था है। कुल 11 हजार से भी अधिक उच्च स्तरीय पुस्तकों, इन्साक्लोपिडिया, सन्दर्भ पुस्तकों एवं शब्दकोशों आदि से पुस्तकालय समृद्ध है। साहित्यिक पत्रिकाओं, साप्ताहिक, पाक्षिक एवं मासिक पत्रिकाओं, प्रतियोगी पत्रिकाओं, रोजगार समाचार एवं दैनिक समाचार पत्रों उत्तर प्रदेश सरकार की उर्दू पत्रिका नया दौर विभिन्न विषयों से सम्बन्धित सीडी आदि की भी व्यवस्था पुस्तकालय में की गयी है। रिलायन्स जियो द्वारा पूरे कैम्पस को वाई फाई से जोड़ने का कार्य प्रक्रियाधीन है।

महाविद्यालय पुस्तकालय में ई लाइब्रेरी संचालित है एवं वाई फाई सुविधा उपलब्ध है पुस्तकालय में ई– लाइब्रेरी सुविधा के अन्तर्गत इंफ्लिबनेट एवं एन– लिस्ट डी पत्रिकाओं की वार्षिक सदस्यता प्राप्त है, जिसकी सहायता से विभिन्न विषयों की लगभग 6328 फ्री आनलाइन जर्नल्स एवं 14 लाख ई– बुक्स पढ़ने की सुविधा उपलब्ध है। छात्राएँ विभिन्न विषयों के कोर्स की पुस्तकें एक क्लिक से पढ़ सकती है। पी0एच0डी शोध कार्य एवं ज्ञानार्जन के लिये भी उपयोग कर रही है। इसके लिए कुँवर संजय भारती जी का योगदान सराहनीय है। रूसा द्वारा परास्नातक स्तर में दो शिक्षण कक्षों के निर्माण की प्रक्रिया का कार्य प्रगति पर है तथा रूसा के अन्तर्गत लाइब्रेरी आटोमेशन की माँग भी की गयी है।

महोदय यह भी अवगत करा देना समीचीन होगा कि हमारा यह महाविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भावी योजनाओं के अन्तर्गत् स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु भवन, प्राचार्य आवास, कर्मचारी आवास के साथ छात्रावास निर्माण तथा रिक्त पदों पर प्रवक्ताओं की नियुक्ति शासन में विचाराधीन है। महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण एवं कर्मचारीगण महाविद्यालय के विकास के लिए निरन्तर

प्रयत्नशील है। प्राचार्य महोदया के निर्देशन में महाविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर नित्य नये आयाम और ऊँचाइयों को छूने के लिये संकल्पित है और हमें आशा ही नही पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालय निरन्तर प्रगति के उच्चतम मानक को स्थापित करने में अभूतपूर्व सफलता अर्जित करेगा।

सधन्यवाद।

प्रतिहस्ताक्षरित

प्राचार्य

समारोहक

****